



क्र.मासं/रवका/न.क्र.२-ब/

महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्या.

एस्ट्रेला बॅटरीज विस्तारित इमारत,

तळ मजला, धारावी रोड, माटुंगा,

मुंबई - ४०० ०११.

email : cgmp@mahadiscom.in

website : www.mahadiscom.in

दुरध्वनी क्रमांक : ०२२ - २४०७७४४१

फॅक्स क्रमांक : ०२२ - २४०२५७६३

दिनांक :

प्रशासकिय परिपत्रक क्र. ३७४ दिनांक २२ / १२ / २०११

विषय : मुंबई हिंदी विद्यापीठाची साहित्य सुधाकर (बी.ए.हिंदीस्तर) ही परीक्षा बी.ए.समकक्ष गृहीत धरून नियुक्ती व पदोन्नती न देणेबाबत.

संदर्भ : महाव्यवस्थापक (मासं) यांचे पत्र क्र.मासं/रवका/न.क्र.२-ब/३०३५८ दि.०५.१०.२०११.

.....

मुंबई हिंदी विद्यापीठ, मुंबई या संस्थेद्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या साहित्य सुधाकर परीक्षा (बी.ए.हिंदीस्तर) या पदवीधारकांना महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनीमधील पदांच्या नियुक्तीसाठी व पदोन्नतीसाठी ग्राह्य धरण्यात येऊ नये असा खुलासा पत्र क्र.मासं/रवका/न.क्र.२-ब/३०३५८ दि.०५.१०.२०११ अन्वये करण्यात आला आहे.

२. आता कुलसचिव, मुंबई हिंदी विद्यापीठ यांनी त्यांचे पत्र क्र.फ-१९/२०११-२०१२/११६५ दि.२४.१०.२०११ अन्वये उपरोक्त बाब अधिक स्पष्ट केली आहे. सदर पत्र तसेच त्यासोबत प्राप्त झालेला शासन निर्णय क्र.समक-२००७/ (२६/०७)/मशि-६ दि.२८ फेब्रुवारी २००७, समक १०९९/१३४/मशि-४ दि.१४.०६.१९९९ व मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार यांचे प्रसिद्धि पत्रक दि.०५.०५.१९८८ ची प्रत सोबत जोडली आहे. सदर पदवीला केवळ हिंदीस्तर परिक्षेपुरती मर्यादित समकक्षता देण्यात आली असून इतर पूर्णवेळ पदवी परीक्षेशी त्याची समकक्षता गृहीत धरण्यात येऊ नये असे स्पष्ट निर्देश सदर पत्रांमध्ये दिलेले आहेत.

३. या संदर्भात शासनाने निर्गमित केलेल्या उपरोक्त शासन निर्णयाचा सर्वंकष विचार करून व्यवस्थापकीय संचालक यांनी संचालक (प्रकल्प), संचालक (संचलन) व संचालक (वित्त) यांच्याशी विचारविनिमय करून खालीलप्रमाणे निर्णय घेतलेला आहे.

४. मुंबई हिंदी विद्यापीठाची साहित्य सुधाकर परीक्षा (बी.ए.हिंदीस्तर) पदवी म.रा.वि.वि.कंपनीमध्ये नियुक्तीसाठी व पदोन्नतीसाठी मान्यताप्राप्त पदवी म्हणून ग्राह्य धरण्यात येऊ नये. सदर निर्देश दिनांक ०५/१०/२०११ पासून अंमलात आणावे. तथापि, दिनांक ०५/१०/२०११ पुर्वी मुंबई हिंदी विद्यापीठाची साहित्य सुधाकर (बी.ए.हिंदीस्तर) ही परीक्षा बी.ए.पदवी समकक्ष गृहीत धरून ज्या कर्मचाऱ्यांना नियुक्ती देण्यात आलेली आहे अशा कर्मचाऱ्यांना विद्यापीठ अनुदान आयोगातर्फे (यु.जी.सी.) मान्यताप्राप्त विद्यापीठातून पदवी परीक्षा पुढील तीन वर्षात उत्तीर्ण करणे अनिवार्य आहे. जो पर्यंत ते पदवी परीक्षा उत्तीर्ण होणार नाही तोपर्यंत त्या कर्मचाऱ्याची पदस्थापना अस्थायी स्वरूपाची ठेवण्यात यावी. तसेच मान्यताप्राप्त विद्यापीठाची पदवी परीक्षा उत्तीर्ण होईपर्यंत त्यांना पुढील पदोन्नतीसाठी पात्र समजण्यात येऊ नये. संबंधीत अधिक्षक अभियंता किंवा मुख्य अभियंता यांना वरील अट शिथिल करता येणार नाही.

५. सदर प्रशासकिय परिपत्रक कंपनीच्या इंटरनेटवर उपलब्ध करण्यात आले आहे.

सहपत्र : वरीलप्रमाणे.


(विजय भि. बागुल) २२/१२/२०११

मुख्य महाव्यवस्थापक (मासं)



मुंबई हिन्दी - विद्यापीठ

(अखिल भारतीय हिन्दी प्रचार-प्रसार संस्था)

स्थापना : 1938

(सोसायटी रजि. एक्ट 1860 एवं मुंबई पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1950 के अंतर्गत पंजीकृत)

फ. - 19 / 2011 - 2012 / 1165

दिनांक : 24-10-2011

सेवा में,

मंगल हातगीराव बिरादार

C/o "संतोषी माता" निवास

विवेकानंद कॉलनी, सेल्हाळ रोड, उदगीर,

ता. उदगीर, जि. लातूर.

पिन - 413517.

MO-NO- 9860208161, 9673397447.

वितरण मुंबई
सवि ८ र.व.का.
अक./अभिनव
नं. 9903
दिनांक: 24/10/2011

महोदया,

आपने सत्यापन करने के लिए भेजा दिनांक 21/10/2011 का पत्र प्राप्त हुआ। आपके पत्रानुसार प्रमाणित किया जाता है की, बिरादार मंगल हातगीराव इस परीक्षार्थी ने मुंबई हिन्दी - विद्यापीठ की साहित्य सुधाकर परीक्षा (बी.ए. हिन्दी स्तर) परीक्षा क्रमांक 1632 लातूर जयक्रांती केन्द्र से सत्र सितम्बर 2009 में द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की हैं।

मुंबई हिन्दी - विद्यापीठ के रेकॉर्डनुसार उपरोक्त जानकारी सही हैं और उक्त परीक्षार्थी को भेजा गया प्राप्तांक पत्र व उपाधि पत्र मुंबई हिन्दी - विद्यापीठ का ही है।

मुंबई हिन्दी - विद्यापीठ एक अखिल भारतीय हिन्दी प्रचार-प्रसार संस्था है। उसकी साहित्य सुधाकर परीक्षा (बी.ए. हिन्दी स्तर) को मान्यता बी.ए. के समकक्ष है, लेकिन केवल हिन्दी स्तर तक। इस परीक्षा के मान्यता का महाराष्ट्र शासन व भारत सरकार का जी.आर. इस पत्र के साथ संलग्न है। उसमें इस परीक्षा के मान्यता का पूरा स्पष्टीकरण दिया हुआ है।

आशा है इस पत्र से आपको संतोष होगा।

Dr. Mar-HR 010

Mgs HR-08m
29/10/11

भवदीय

किशोर हागडे

कुल सचिव

मुंबई हिन्दी - विद्यापीठ

सर्वेक्षण
संलग्न : महाराष्ट्र शासन जी. आर.
भारत सरकार जी. आर.
31/10/11

306/307, उद्योग मंदिर नं. 1, धर्मवीर संभाजीराजे मार्ग, माहिम (पश्चिम), मुंबई-400016.

☎ दूरभाष : 24456011 / 24442128

विद्यापीठे, मानीव विद्यापीठे, ऐच्छिक मान्य
शैक्षणिक संस्था यांनी प्रदान केलेल्या
पदव्या/पदविका समकक्षता.

महाराष्ट्र शासन

उच्च व तंत्रशिक्षण विभाग

शासन निर्णय क्र. समक-२००७/(२६/०७)/मशि-६

मंत्रालय विस्तार भवन, मुंबई - ४०० ०३२.

दिनांक म २८ फेब्रुवारी, २००७

पहा :- ५) शासन निर्णय, उच्च व तंत्रशिक्षण विभाग, क्र. समक १०९९/१३४/मशि-४,
दि. १४ जून १९९९

२) शासन पुरक पत्र क्र. समक १०९९/१३४/मशि-१, दिनांक ५ एप्रिल, २००३

३) मुंबई हिन्दी - विद्यापीठ, मुंबई यांचे क्र. फ-२/२००६-२००७/२५५३
दिनांक १८ डिसेंबर, २००६ से पत्र

प्रस्तावना : उपरोक्त संदर्भाधिन क्र. १ येथली शासन निर्णयान्वये भारतातील ऐच्छिक हिंदी संस्था, ऐच्छिक संस्कृत संस्था, विद्यापीठे, मानीव विद्यापीठे यांनी प्रदान केलेल्या पदव्या/पदविकांना काही अटीवर समकक्षता प्रदान करण्यात आल्याचे एकत्रित आदेश निर्गमित करण्यात आले आहेत. सदर शासन निर्णयासोबतच्या परिशिष्ट-अ मध्ये अनुक्रमांक १९ वर बम्बई हिन्दी विद्यापीठ, मुंबई या संस्थेच्या उत्तमा या परीक्षेस एस.एस.सी. व भाषा रत्न या परीक्षेस इंटर (बारावी) अशी समकक्षता दर्शविण्यात आली आहे. तसेच संदर्भाधिन क्र. २ येथील शासन पुरकपत्रान्वये याच संस्थेच्या साहित्य सुधाकर या परीक्षेस बी.ए. या परीक्षेची समकक्षता असल्याचा अंतर्भाव करण्यात आला आहे.

बम्बई हिन्दी विद्यापीठ मुंबई, या संस्थेच्या नावात दिनांक ४.१२.१९९७ पासून मुंबई हिन्दी विद्यापीठ असा बदल धर्मादाय आयुक्तांच्या मान्यतेने केला असल्याचे सदर संस्थेने त्यांच्या संदर्भाधिन क्र. ३ येथील पत्रान्वये कळविले आहे. त्यामुळे बम्बई हिन्दी विद्यापीठ मुंबई या संस्थेच्या उपरोक्त ३ अभ्यासक्रमास मुंबई हिन्दी विद्यापीठ या संस्थेच्या नावाने समकक्षता देण्याचा प्रश्न शासनाच्या विचाराधीन होता.

शासन निर्णय :- "बम्बई हिन्दी - विद्यापीठ, मुंबई" या ऐच्छिक हिंदी संस्थेच्या नावात "मुंबई हिन्दी - विद्यापीठ" असा बदल झाला असल्याने सदर संस्थेने मुंबई हिन्दी - विद्यापीठ, मुंबई या नावाने दिलेल्या खालील पदव्यांना समकक्षता प्रदान करण्यात येत आहे.

संस्थेचे नाव	मान्यता दिलेल्या परीक्षा	समकक्ष परीक्षेसाठी विहित केलेला दर्जा
मुंबई हिन्दी - विद्यापीठ, मुंबई	१) उत्तमा	एस.एस.सी
	२) भाषा रत्न	इंटर (बारावी)
	३) साहित्य सुधाकर	बी.ए.

२. ही समकक्षता शासन निर्णय, उच्च व तंत्रशिक्षण विभाग, क्र. समक ५०९९/१३४/मशि-४, दिनांक १४ जून, १९९९ मधील सर्व अटी यापुढेही कायम राहतील या अटीच्या अधिन राहून देण्यात येत आहे.

३. हा शासन निर्णय शासनाचे संकेत स्थळ www.maharashtra.gov.in यावर उपलब्ध असून त्याचा संगणकीय सांकेतांक क्र. २००७०२२८१४४६२८००१ असा आहे.
महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नांवाने.

नि. न. भोसले

(नि. न. भोसले)

कार्यासन अधिकारी, महाराष्ट्र शासन.

प्रति,
शिक्षण संचालक, उच्चशिक्षण, महाराष्ट्र राज्य, पुणे
शिक्षण संचालक, शालेय शिक्षण विभाग, महाराष्ट्र राज्य, पुणे
सर्व विभागीय सहसंचालक, उच्चशिक्षण,
सर्व विभागीय शिक्षण उपसंचालक,
कुलसचिव, सर्व विद्यापीठे,
महालेखापाल (लेखा व अनुज्ञेयता) महाराष्ट्र १/२, मुंबई, नागपूर
अधिदान व लेखाधिकारी, मुंबई
मुंबई हिन्दी विद्यापीठ, ३०६/३०७, उद्योग मंदिर नं. १, धर्मवीर संभाजीराजे मार्ग, माहिम (प.), मुंबई १६.
उच्च व तंत्रशिक्षण विभागतील सर्व कार्यासने,
निवड नस्ती, (मिश-६)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार,

प्रेस नोट

राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार और विकास की दिशा में स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद इन संस्थाओं ने हिन्दीतर क्षेत्रों में हिन्दी को लोकप्रिय बनाने के लिए काफी प्रयत्न किये हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में कुछ स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं द्वारा संचालित हिन्दी परीक्षाओं को भारत सरकार ने मान्यता प्रदान की है ताकि लोगों को हिन्दी का ज्ञान हो सके और इसके माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकें। भारत सरकार ने हिन्दी शिक्षा समिति की सिफारिश और संघ लोक सेवा आयोग की सहमति से इन संस्थाओं द्वारा आयोजित कुछ परीक्षाओं को 1960 से मान्यता देना शुरू किया ताकि इन परीक्षाओं को पास करने पर उम्मीदवार उन सरकारी नौकरियों के लिए पात्र बन सकें, जिनके लिए हिन्दी की योग्यता भी जारी की गई है। इस विषय पर कई प्रेस विज्ञप्तियाँ भी जारी की गई हैं। समय-समय पर अस्थायी मान्यता की अवधि भी बढ़ाई जाती रही है। बाद में कुछ संस्थाओं की परीक्षाओं को स्थायी मान्यता दी गई है। यद्यपि अभी कुछ संस्थाओं को अस्थायी मान्यता दी गई है।

हिन्दी शिक्षा समिति भारत सरकार में एक स्थायी संस्था है। यह समिति हिन्दी के प्रचार, प्रसार और विकास के संबंध में भारत सरकार को समय-समय पर सलाह देती है और सिफारिशें करती है। इस समिति की सिफारिशों के आधार पर स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं की परीक्षाओं को मान्यता प्रदान की जाती है।

किसी भी स्वैच्छिक संस्था को चाहे वह स्वयं हिन्दी की परीक्षा आयोजित करती हो, या किसी भी मान्यता प्राप्त अन्य स्वैच्छिक हिन्दी संस्था के माध्यम से परीक्षा संचालित करती हो, मान्यता प्राप्त करने के लिए अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ, 34, कोटला मार्ग, नई दिल्ली को मान्यता के लिए प्रस्ताव भेजना होता है। इस प्रस्ताव के आधार पर संस्था संघ परीक्षा की मान्यता संबंधी मानदण्डों और नियमों के अनुसार उस संस्था का निरीक्षण करता है और मान्यता के लिए मंत्रालय को अपनी सिफारिश भेजता है। इसके बाद मंत्रालय का अधीनस्थ कार्यालय केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय की एक निरीक्षण समिति स्वतंत्र रूप से उस संस्था का निरीक्षण करती है और अपनी रिपोर्ट हिन्दी शिक्षा समिति के विचार के लिए मंत्रालय को प्रस्तुत करती है।

कुछ समाचार पत्रों में परीक्षा शीर्षक के अधीन यह समाचार छपा होता है कि हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग (इलाहाबाद) की प्रथमा और मध्यमा परीक्षा को क्रमशः एस. एस. एल. सी. और बी. ए. के समकक्ष मान्यता दी गई है। इस प्रकार के समाचार का स्पष्टीकरण इस मंत्रालय से समय-समय पर दिया जाता रहा है। कुछ वर्ष पहले उप शिक्षा मंत्री, श्री. पी. के. थुंगन ने भी लोकसभा में स्थिति स्पष्ट की थी और बताया था कि हिन्दी साहित्य सम्मेलन की वास्तविक स्थिति भिन्न है क्योंकि यह एक स्वैच्छिक संगठन है न कि विश्वविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय समझी जाने वाली संस्था। यह किसी राज्य परीक्षा परिषद तथा

विश्वविद्यालय के समान नहीं माना जाता है । इसलिए इस संस्था द्वारा आयोजित इन परीक्षाओं को केन्द्र सरकार द्वारा हाईस्कूल, इंटरमीडिएट और बी. ए. के बराबर मान्यता नहीं दी गई है । इस संस्था को केवल हिन्दी विषय की परीक्षा को संचालित करने की मान्यता दी गई है । भले ही, यह हिन्दी के साथ-साथ अन्य विषयों को भी तैयार करता हो ।

पुनः यह स्पष्ट किया जाता है कि किसी पद के लिए निर्धारित किए गए हिन्दी स्तर के निर्धारण के प्रयोजन से हिन्दी साहित्य सम्मेलन की प्रथमा और मध्यमा परीक्षाओं को क्रमशः एस. एस. एल. सी. तथा बी. ए. के बराबर से मान्यता दी गई है ।

इसी प्रकार अन्य स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं द्वारा संचालित हिन्दी परीक्षाओं की मान्यता के बारे में भी कहा जा सकता है कि ये परीक्षाएँ न तो किसी राज्य परीक्षा परिषद् और न ही विश्वविद्यालय के समकक्ष मानी गई हैं । जहाँ तक सरकारी नौकरीयों के लिए इन परीक्षाओं की मान्यता का प्रश्न है, इस सम्बन्ध में यह निश्चय किया गया है कि यदि सरकारी अथवा गैर सरकारी कार्यालय, अर्ध सरकारी संस्था या शैक्षिक संस्था में किसी पद के लिए हिन्दी की कोई विशेष योग्यता निर्धारित की गई है तो इन परीक्षाओं से प्राप्त की गई योग्यताधारी व्यक्ति इन पदों के पात्र हो सकते हैं । परन्तु हिन्दी की अलग से यदि कोई योग्यता निर्धारित नहीं की गई है तो स्वैच्छिक हिन्दी संस्था से प्रमाणपत्र या डिग्री प्राप्त करने वाले व्यक्ति विश्वविद्यालय या राज्य परीक्षा परिषदों के प्रमाणपत्र या डिग्री की समकक्षता का दावा नहीं कर सकते हैं ।

अतः उपर्युक्त विवरण के आधार पर, संक्षेप में, पुनः स्पष्ट किया जाता है कि स्वैच्छिक हिन्दी संस्थाओं की मान्यता केवल संलग्न सूची में दर्शायी गई समकक्ष परीक्षा के लिए निर्धारित हिन्दी स्तर तक ही सीमित है और इसे पूर्ण प्रमाण-पत्र या डिग्री परीक्षा के बरोबर नहीं माना जायगा । आम जानकारी के लिए संस्थावार मान्यताओं का विवरण संलग्न है ।

शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001
पत्र सं. एफ. 9-1/88-डी-1 (भाषा)
5 मई 1988

हिन्दी परीक्षाओं की मान्यता का विवरण

क्र. सं.	संस्था का नाम	मान्यता प्राप्त परीक्षा का नाम	बराबर की परीक्षा में हिन्दी का निर्धारित स्तर	प्रेस विज्ञप्ति संख्या
1.	हिन्दी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद	1-प्रथमा 2-मध्यमा (विशारद) 3-उत्तमा हिन्दी साहित्य	एस. एल. सी. बी. ए. बी. ए. (हिन्दी आनर्स)	स्थायी मान्यता एफ 7-50 69, एच-1 18 फरवरी 1970
2.	राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा	1-परिचय 2-कोविद 3-रत्न	एस. एल. सी. इन्टर बी. ए.	" " "
3.	दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास	1-प्रवेशिका 2-विशारद 3-प्रवीण	एस. एल. सी. इन्टर बी. ए.	" " "
4.	हिन्दी विद्यापीठ, देवघर	1-प्रवेशिका 2-साहित्य भूषण 3-साहित्यालंकार	एस. एल. सी. इन्टर बी. ए.	" " "
5.	महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पूना	1-प्रबोध 2-प्रवीण 3-पंडित	एस. एल. सी. इन्टर बी. ए.	" " "
6.	हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद	1-विशारद 2-भूषण 3-विद्वान	एस. एल. सी. इन्टर बी. ए.	" " "
7.	गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद	1-तीसरी 2-विनीत 3-सेवक	एस. एल. सी. इन्टर बी. ए.	" " "
8.	मुम्बई हिन्दी विद्यापीठ, मुंबई	1-उत्तमा 2-भाषारत्न 3-साहित्य सुधाकर	एस. एल. सी. इन्टर बी. ए.	7-50/69, एच-1 18 फरवरी 1970 स्थायी मान्यता वि. स. एफ-41-2-/70, हिन्दी 30-3-71 स्थायी मान्यता
9.	असम राष्ट्रभाषा प्रचार परिषद, गुहाटी	1-प्रबोध 2-विशारद 3-प्रवीण	एस. एल. सी. इन्टर बी. ए.	स्थायी मान्यता " "
10.	मणिपुर हिन्दी परिषद, इम्फाल	1-प्रबोध 2-विशारद 3-रत्न.	एस. एल. सी. इन्टर बी. ए.	स्थायी मान्यता " " टि. सी. 1-7/73 हि. ता. 7 जुलाई 1973

11.	हिन्दुस्तानी प्रचार सभा, बम्बई	1-तीसरी 2-काबिल 3-विद्वान	एस. एल. सी. इण्टर बी. ए.	स्थायी मान्यता " " वि. सी. 9-2/6 डी-1 हि ता. 13 अगस्त 1976
12.	मैसूर हिन्दी प्रचार परिषद, बंगलोर	1-प्रवेश 2-उत्तमा 3-रत्न	एस. एल. सी. इन्टर बी. ए.	स्थायी मान्यता 17 नवम्बर, 76 रो प स 9-6/84-डी-1 ता. 10-12-86
13.	केरल हिन्दी प्रचार सभा, त्रिवेंद्रम	1-प्रवेश 2-भूषण 3-साहित्याचार्य	एस. एल. सी. इण्टर बी. ए.	स्थायी मान्यता " " प्रेस 9-6/84-डी-1 भाषा ता. 12 दिसम्बर 1986
14.	कर्नाटक हिन्दी प्रचार समिति, बंगलोर	1-राजभाषा 2-राजभाषा प्रकाश 3. राजभाषा विद्वान	एस. एल. सी. इन्टर बी. ए.	स्थायी मान्यता " " प. सं. 9-6-84/डी-1 भाषा ता. 12 दिसम्बर 1986
15.	कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति, बंगलोर	1-हिन्दी उत्तमा 2-हिन्दी भाषा भूषण 3-भाषा प्रवीण	एस. एल. सी. इण्टर बी. ए.	स्थायी मान्यता प. सं. 9-6/84 डी-1 भाषा ता. 12 दिस. 1986
16.	उडीसा राष्ट्रभाषा परिषद पुरी	1-विनोद 2-प्रवीण 3-शास्त्री	एस. एल. सी. इण्टर बी. ए.	स्थायी मान्यता " " प. सं. 9-4/79 डी-1 (भाषा) ता. 26 जुलाई 1979
17.	सौराष्ट्र हिन्दी प्रचार समिति, राजकोट	1-तीसरी	एस. एल. सी.	स्थायी मान्यता प. सं. एफ 9-6/84 डी-1 ता. 26 जुलाई 1979
18.	प्रयाग महिला विद्यापीठ, इलाहाबाद	1-विद्या विनोदिनी 2-विदुषी-साधारण 3 सरस्वती	मैट्रिक इन्टर बी. ए.	स्थायी मान्यता प. सं. 9-6/84 डी-1 (भाषा) ता. 19-9-1987
19.	मिजोरम हिन्दी प्रचार समिति, आइजोल	1-प्रबोध 2-विशारद	मैट्रिक इण्टरमीडियेट	स्थायी मान्यता प. सं. 9-6/84 डी-1 (भाषा) ता. 12 अप्रैल 88
20.	हिन्दी प्रचार प्रसार संस्थान जयपुर	1-कोविद 2-प्रवीण 3-साहित्य रत्न	मैट्रिक इण्टरमीडियेट बी. ए.	अस्थायी मान्यता जुलाई 1989 तक प. सं. 9-4/88 डी-1 (भाषा) ता. 12 अप्रैल 1988

विद्यापीठे, मनीष विद्यापीठे, येथील मान्य
शैक्षणिक संस्था यांनी प्रदान केलेल्या
पदव्या/पदविका समसंख्या

महाराष्ट्र शासन

उच्च व तंत्र शिक्षण विभाग

शासन निर्णय क्र. समक १०९९/१९४/मशि-४

मंत्रालय विस्तार भवन, मुंबई - ४०० ०३२.

दिनांक :- १४ जून, १९९९

- क्रमांक :- १. शासन निर्णय, पॉलिटेक्निक अन्ड सर्विस डिपार्टमेंट क्र. ३०६/९६
दिनांक ४.११.१९५०.
२. शासन निर्णय, शिक्षण व समाज कल्याण विभाग क्र. पीएचई
१९६२/२०८४८-सी, दिनांक १९.५.१९९४.
३. शासन निर्णय, शिक्षण व समाज कल्याण विभाग क्र. एसएसएन
३२६४/ई, दिनांक १६.३.१९६८.
४. शासन निर्णय, शिक्षण व समाज कल्याण विभाग क्र. एचएनई
१९६९/३२३२७ न्यू, दिनांक ६.४.१९७०.
५. शासन निर्णय, शिक्षण व समाज कल्याण विभाग क्र. एचएनई
१९७०/३६४४३ ऊ, दिनांक १६.४.१९७०.
६. शासन निर्णय, शिक्षण व समाज कल्याण विभाग क्र. एलएलई
१९७२/९८३१९-ऊ, दिनांक १.११.१९७१.
७. शासन निर्णय, शिक्षण विभाग क्र. युएससी १२७०/१०३८७६-
यू, दिनांक ७.१०.१९७३.
८. शासन निर्णय, शिक्षण व युवक सेवा विभाग क्र. एचएनई
१४७६/२१४७-अनुवीस-(१९०), दिनांक ३०.७.१९७६.
९. शासन निर्णय, शिक्षण व युवक सेवा विभाग, क्र. एचएनई
१४७०/२०६८२/अनुवीस (१२४०), दिनांक ३०.१०.१९७६.
१०. शासन निर्णय, शिक्षण व युवक सेवा विभाग, क्र. एचएनई
१९६९/८८२७६-अनुवीस (७०), दिनांक ३०.११.१९७६.
११. शासन निर्णय, शिक्षण व युवक सेवा विभाग, क्र. एसएससी
१०७३/१२२४/२५, दिनांक ५.३.१९७७.
१२. शासन निर्णय, शिक्षण व युवक सेवा विभाग, क्र. एसएससी
२९७५/१४०५/२५, दिनांक १७.११.१९७७.
१३. शासन निर्णय, शिक्षण व युवक सेवा विभाग, क्र. एसकेई
१६७/१९०५६८/(४०४३)/विशि-१, दिनांक १.१२.१९८०.

१४. शासन निर्णय, शिक्षण व युवक सेवा विभाग, क्र. एसटीसी २२८०/१६५१५९/(२०२/८०)/मशि-४, दिनांक ८.१.१९८२.
१५. शासन निर्णय, शिक्षण व युवक सेवा विभाग, क्र. एसएससी २९५९/७२०५२/(२५०३)/युनि-५, दिनांक १४.२.१९८३.
१६. शासन निर्णय, शिक्षण व युवक सेवा विभाग, क्र. एसएससी १०८२/१२४१२०/(५८३)/विशि-५, दिनांक १७.१.१९८४.
१७. शासन निर्णय, शिक्षण व युवक सेवा विभाग, क्र. एचएससी १०८५/१०४२६८/(९५६९)/उमाशि-१, दिनांक ८.४.१९८५.
१८. शासन निर्णय, शिक्षण व युवक सेवा विभाग, क्र. एचएससी १२८५/११०४२/७९७८६)/उमाशि-१, दिनांक ८.८.१९८५.
१९. शासन निर्णय, शिक्षण व युवक सेवा विभाग, क्र. युएसजी १०८५/११७१०५/(७१)/विशि-५, दिनांक २७.६.१९८६.
२०. शासन निर्णय, उच्च व तंत्र शिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. एसटीसी २२८२/८६०५०/(१९२/८७)/विशि-५, दि. ८.६.१९८७.
२१. शासन निर्णय, उच्च व तंत्र शिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. एचएससी १०९२/५८८७८/(२०५)/विशि-२, दि. १९.११.१९८७.
२२. शासन निर्णय, उच्च व तंत्र शिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. एचएससी २०९३/२०९२७/(१३०)/मशि-४, दि. १२.१०.१९८८.
२३. शासन निर्णय, उच्च व तंत्र शिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. एचएससी १०९४/११७२/(३१)/मशि-४, दि. १२.१०.१९९४.
२४. शासन निर्णय, उच्च व तंत्र शिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. एचएससी १०९५/२३८१३/(७१)/मशि-४, दि. ९.८.१९९५.
२५. शासन निर्णय, उच्च व तंत्र शिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. युएसजी २०९३/(४०१६)/विशि-४, दिनांक ७.१२.१९९५.
२६. शासन निर्णय, उच्च व तंत्र शिक्षण आणि सेवायोजन विभाग क्र. एससीएच १०९४/(१६२)/मशि-४, दिनांक १०.१.१९९६.

प्रस्तावना:- भारत सरकारने देशातील काही स्वैच्छिक हिंदी संस्थांच्या विविध परीक्षांना मान्यता दिली आहे. तसेच संस्कृत विश्वविद्यालयाच्या परीक्षानाही मान्यता दिली आहे. राज्यातील विद्यापीठे व इतर राज्यातील विद्यापीठे यांनी प्रदान केलेल्या पदव्या/पदविकानाही मान्यता दिल्या आहेत. अशा पदवी/पदविका धारकाना संपत्कक्षता देण्याचे वेळोवेळी शासनाने मान्य केले आहे असे पदवी/पदविका धारक राज्यातील निरनिराळ्या ठराविक पदावरच नेमणूकीसाठी पात्र धरण्याचा निर्णय झाला आहे. ते विचारांत घेऊन अशा सर्व पदवी/पदविका प्रदर्शित करण्याचा प्रश्न विचाराधीन होता.

शासन निर्णय:- संदर्भिय शासन निर्णयान्वये, भारतातील ऐच्छिक हिंदी संस्था, ऐच्छिक संस्कृत संस्था, यानी प्रदान केलेल्या परीक्षांना समकक्ष परीक्षांचा दर्जा, केंद्र शासनाच्या सुचनेनुसार मान्य झेला आहे. तसेच केंद्रिय किंवा राज्य विधी मंडळाने अधिनियमाद्वारे भारतातील विद्यापीठाने दिलेल्या पदव्या/पदविक्र आणि संसदेने अधिनियमाद्वारे इतर शैक्षणिक संस्था स्थापित केलेल्या आहेत किंवा विद्यापीठ अनुदान आयोगाने घोषित केलेल्या मानीव विद्यापीठानी प्रदान केलेल्या पदवी/पदविक्रना समकक्ष दर्जा देण्याची मान्यता या निर्णयाद्वारे देण्यांत येत आहे.

२. ज्या पदवी/पदविक्राना समकक्षता दिलेली आहे त्या सोबतच्या विवरणपत्र 'अ' मध्ये देण्यांत आल्या आहेत.

३. विवरणपत्र 'अ' मध्ये दर्शविलेली समकक्षता ही खालील अटीवर राहिल.

- ऐच्छिक हिंदी संस्थांच्या परीक्षांना दिलेली मान्यता ही समकक्ष म्हणून नमूद केलेल्या परीक्षेसाठी विहित केलेल्या हिंदीच्या दर्जा पुरतीच मर्यादित असेल. संपूर्ण पदवी परीक्षेच्या बरोबर त्यांना मान्यता मिळणार नाही.
- ही मान्यता फक्त दुय्यम शाळातील हिंदी शिक्षकांच्या जागेवर नेमणूक करतेवेळी विचारात घेतली जावी व या प्रमाणे शैक्षणिक पात्रता धारकांची हिंदी शिक्षकांच्या जागेवर नेमणूक करताना त्यांच्या हिंदी शिक्षकांची मंडूर केलेली वेतनश्रेणी द्यावी.
- तसेच संस्कृत मंडळाच्या संस्कृत परिक्षांची अर्हताधारक फक्त राज्यातील माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शाळांमध्ये तसेच विद्यापीठांमध्ये फक्त संस्कृत शिक्षक म्हणून नियुक्ती करण्यासाठी व संस्कृत शिक्षकांना मिळणारी वेतनश्रेणिस पात्र ठरतील.

४. संदर्भिय शासन निर्णयान्वये समकक्षता मान्यता देण्यापूर्वी त्यास सामान्य प्रशासन विभाग व वित्त विभागाची सहमती घेण्यात आली आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नांवाने,

W

(म. अ. सरपोतदार)

उप सचिव, महाराष्ट्र शासन.

प्रति

१. शिक्षण संचालक (उच्च शिक्षण), महाराष्ट्र राज्य, पुणे.
२. शिक्षण संचालक, महाराष्ट्र राज्य, पुणे.
३. संचालक, तंत्र शिक्षण, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.
४. संचालक, व्यवसाय शिक्षण व प्रशिक्षण, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.

५. संचालक, समाजकल्याण, महाराष्ट्र राज्य, पुणे.
६. संचालक, क्रिडा व युवक सेवा संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.
७. सहसंचालक, उच्च शिक्षण, मुंबई, पुणे, नागपूर, औरंगाबाद, कोल्हापूर, अमरावती, जळगांव, नांदेड
८. विभागीय शिक्षण उपसंचालक, बृहन्मुंबई, पुणे, नागपूर, नाशिक, कोल्हापूर, अमरावती.
९. महालेखापाल, महाराष्ट्र-१/२, मुंबई/नागपूर. (लेखा व अनुषंग्यता)
१०. महालेखापाल, महाराष्ट्र-१/२, मुंबई/नागपूर, (लेखा परीक्षा)
११. अधिदान व लेखाधिकारी, मुंबई.
१२. निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई.
१३. सर्व जिल्हा परिषदांचे शिक्षणाधिकारी/शिक्षक निरीक्षक, बृहन्मुंबई.

पत्राद्वारे

१४. कुलसचिव, मुंबई विद्यापीठ, मुंबई
१५. कुलसचिव, पुणे विद्यापीठ, पुणे
१६. कुलसचिव, शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर
१७. कुलसचिव, डॉ. बाळसाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद
१८. कुलसचिव, नागपूर विद्यापीठ, नागपूर.
१९. कुलसचिव, श्रीमती नाथीबाई फडकेकर जकरसी महिला विद्यापीठ, मुंबई.
२०. कुलसचिव, अमरावती विद्यापीठ, अमरावती.
२१. कुलसचिव, उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव.
२२. कुलसचिव, स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड
२३. कुलसचिव, यशवंतराव चव्हाण मुक्त विद्यापीठ, नाशिक
२४. कुलसचिव, टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे.

क्र.	संस्थेचे नाव	पान्यत्रा दिलेल्या परीक्षा	संबद्ध परीक्षेसाठी विहित केलेला दर्जा
१.	२.	३.	४.
१.	काशि विद्यापीठ, बनारस	शास्त्री पदवी	बी. ए
२.	लक्ष्मीबाई कॉलेज ऑफ फिजिकल्स एज्युकेशन, ग्वाल्हेर	बी. पी. ई.	बी. ए बी. ए/डीप्लोमा इन फिजिकल्स एज्युकेशन
३.	अ) काशी संस्कृत विश्व विद्यालय, वाराणसी ब) बिहार संस्कृत असो. पाटणा व कवेश्वरसिंग संस्कृत विद्यापीठ, दरभंगा	आचार्य शिखा/शास्त्री शास्त्री आचार्य शिखाशास्त्री	एम. ओ. बी. एड बी. ए. एम. ए. बी. एड
	क) राजस्थान शासन ड) बनारस हिंदू विद्यापीठ, वाराणसी इ) लखनौ विद्यापीठ, लखनौ		
४.	मद्रास विद्यापीठ, मद्रास व अज्जा मद्रास विद्यापीठ, मद्रास	१) शिरोमणी (पूर्व) २) शिरोमणी (अंतीम) उपाधी	१) बी. ए २) बी. ए बी. ए
५.	आसाम शासन संस्कृत समिती, गौहाटी	१) विद्वत् मध्यमा २) विद्वत् उत्तमा	बी. ए एम. ए
६.	मैसूर शासन	१) शास्त्रभूषण (पूर्व) २) शास्त्र भूषण (अंतीम)	बी. ए एम. ए
७.	केरळ शासन	१) विद्या प्रविण (पुणे) २) विद्या प्रविण (अंतीम)	बी. ए एम. ए
८.	आंध्र विद्यापीठ, वलटेन	१) शास्त्री २) आचार्य	बी. ए एम. ए
९.	पंजाब विद्यापीठ, चंदिगड	१) शिरोमणी २) आचार्य	बी. ए एम. ए
१०.	गुरुकुल, वृंदावन	१) शिरोमणी २) आचार्य	बी. ए एम. ए
११.	केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपती	शास्त्री (शिखा)	बी. एड किंवा बी.टी.
१२.	केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडळ, आग्रा	१) हिंदी शिक्षण पारंगत (एक वर्षाचा अभ्यासक्रम) २) हिंदी शिक्षण पारंगत	बी. टी./बी. एड एस. टी. सी/

(चौन वर्षाचा अभ्यासक्रम)

टी.डी./डी.प्लोमा इन
एज्युकेशन
एम्प्लॉयमेंटेशन

११. हिंदी साहित्य संमेलन, अलाहाबाद	१) प्रथमा २) मध्यमा (विशारद) ३) उत्तमा (हिंदी साहित्य)	१) एस.एस.सी. २) बी. ए. ३) बी. ए. ऑनर्स
१४. राष्ट्रभाषा प्रचार समिती, कर्घा	१) परिचय २) कावित् ३) रत्न	१) एस.एस.सी. २) इंटर (बारावी) ३) बी. ए.
१५. दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास	१) प्रवेशिका २) विशारद ३) प्रवीण	१) एस.एस.सी. २) इंटर (बारावी) ३) बी. ए.
१६. हिंदी विद्यापीठ, देवधर	१) प्रवेशिका २) साहित्य भूषण ३) साहित्यालंकार	१) एस.एस.सी. २) इंटर (बारावी) ३) बी. ए.
१७. महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे	१) प्रबोध २) प्रवीण ३) पंडीत	१) एस.एस.सी. २) इंटर (बारावी) ३) बी. ए.
१८. हिंदी प्रचार सभा, हैद्राबाद	१) विशारद २) भूषण ३) विज्ञान	१) एस.एस.सी. २) इंटर (बारावी) ३) बी. ए.
१९. बम्बई हिंदी विद्यापीठ, मुंबई	१) उत्तमा २) भाषा रत्न	१) एस.एस.सी. २) इंटर (बारावी)
२०. गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद	१) तीसरी २) विनीत ३) सक्क	१) एस.एस.सी. २) इंटर (बारावी) ३) बी. ए.
२१. आसाम राष्ट्रभाषा प्रथम समिती, गौहल्ली	१) प्रबोध २) विशारद	१) एस.एस.सी. २) इंटर (बारावी)
२२. हिंदूस्थानी प्रचार सभा, मुंबई	१) तीसरी २) काविल ३) विज्ञान	१) एस.एस.सी. २) इंटर (बारावी) ३) बी. ए.
२३. मैसूर हिंदी प्रचार सभा परिषद, बेंगलोर	१) प्रवर्षा २) उत्तमा	१) एस.एस.सी. २) इंटर (बारावी)
२४. केरळ हिंदी प्रचार सभा, त्रिवेन्द्रम	१) प्रवेश २) भूषण	१) एस.एस.सी. २) इंटर (बारावी)

२५. मणिपूर हिंदी परिषद, इम्फल	१) प्रबोध २) विशारद	१) एस. एस. सी. २) इंटर (भारतीय)
२६. कर्नाटक महिला हिंदी सेना समिती, बैंगलोर	१) हिंदी उनमा २) हिंदी भाषा भूषण	१) एस. एस. सी. २) इंटर (भारतीय)
२७. मैसूर रियासत हिंदी प्रचार समिती, बैंगलोर	१) राजभाषा २) राजभाषा प्रकाश	१) एस. एस. सी. २) इंटर
२८. दासल ऊतूम देववन्द, उत्तर प्रदेश	फर्नील-३-देओबन्द	बी. अ. (अरेबिक)
२९. दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास	पारंगत	एम. ए.
३०. माड असातूल एसस्ताह सराई मीर, अममगाड (उ.प्र.)	फर्नील (अरेबिक)	बी. ए (अरेबिक)
३१. वंणीय संस्कृत शिक्षा परिषद, कलकत्ता	तीर्थ	एम. ए. (संस्कृत)
३२. नागपूर विद्यापीठ, नागपूर	१) बी. एम. एड २) एस. एम. एड	१ व २ बी. एड (फक्त ११ वी व १२ वी वर्गात गणीत शिकविण्यास पात्र)
	३) बी. एस. डब्ल्यू	३) इवा पदवीसह बी. एड मासेल्वांना याध्यमिक शाळेत शिक्षक पदास पात्र
	४) बी. पी. ई.	४) बी. ए./बी. कॉम. बी. एससी बी. ए (अरेबिक)
३३. जामितस सालेहत, मालेगाव	अलिम	फक्त ११ वी व १२ वी वर्गात गणी शिकविण्यास पात्र
३४. पुणे विद्यापीठ, पुणे	उच्च शिक्षण पदविका (डिप्लोमा इन हायर एज्युकेशन)	फक्त ११ वी व १२ वी वर्गात गणी शिकविण्यास पात्र
३५. मुंबई विद्यापीठ, मुंबई	उच्च शिक्षण पदविका (डिप्लोमा इन हायर एज्युकेशन)	फक्त ११ वी व १२ वी वर्गात गणी शिकविण्यास पात्र
३६. शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर	उच्च शिक्षण पदविका (डिप्लोमा इन हायर एज्युकेशन)	फक्त ११ वी व १२ वी वर्गात गणी शिकविण्यास पात्र
३७. टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे	ग्रंथपाल विशारद	बी. लिं.ब.
३८. गुजराथ व्यायाम प्रसारक मंडळ, राजचिपला, गुजराथ राज्य	डी. पी. एड	बी. पी. एड (बी. एड)
३९. यशवंतराव चव्हाण मुक्त विद्यापीठ, नाशिक	बी. एड	प्राथमिक पाठ्यमिक शिक्षण उच्च पाठ्यमिक

		शब्देत नियमित सेवेत जसतेल्या अप्रशिक्षित शिकानां प्राप्त केलेले शिक्षक पदवीपर हस्ताक्षराने
३९. अम्बवती विद्यापीठ, अमरावती	बी. पी. ई.	बी. ए. बी. कॉम.
४०. संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, अमरावती	१) शास्त्री २) आचार्य ३) शिक्षा (शास्त्री)	बी. ए. सी. १) बी. ए. २) एम. ए. ३) बी. एड. किंग बी. टी.
४१. एम. एस. विद्यापीठ, बरोडा	१) शास्त्री २) आचार्य	१) बी. ए. २) एम. ए.
४२. उस्मानिय विद्यापीठ, हैद्राबाद	१) डिप्लोमा इन ओरिएन्टल लर्निंग संस्कृत भाग २ व ३ सह २) बॅचलर ऑफ लर्निंग संस्कृत भाग २ व ३ सह	१) बी. ए. २) एम. ए.
४३. उत्कल संस्कृत समिती	१) आचार्य (पी.टी) २) आचार्य (पूर्ण) एम. लिट	१) बी. ए. २) एम. ए. एम. फिल
४४. इन्स्टिट्यूट ऑफ इंग्लीश अॅण्ड फॉरेन लॅंग्वेजेस, हैद्राबाद	बॅचलर ऑफ लायब्ररी	बॅचलर ऑफ लायब्ररी सायन्स
४५. डॉ. बी. आर. आंबेडकर मुक्त विद्यापीठ, हैद्राबाद	बी. पी. एड (बॅचलर ऑफ फिजीकल एज्युकेशन) बी. एड (फिजीकल एज्युकेशन)	बी. एड (फिजीकल एज्युकेशन)
४६. अ) डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद ब) मुंबई विद्यापीठ, मुंबई.		